प्रेषक.

प्रतीय शिष्ट संस्तः अनु सचिव उस्तराचल शासन् ।

संवा में

प्रगारी मुख्य अभियन्ता स्तर—। लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2 विषय:- टिप्टरी बॉध

ण अनुभाग-2 देहरादून: दिनींक है दिसम्बर्,2005 टिहरी बाँध औल से ऋषिकेश - उत्तरकाशी मार्ग के आंतेशीध दूबने वाले भाग के वैकल्पिक गार्ग डोबरा-जाख नई टिहरी गार्ग एवं स्यासू पुल से बागवाटा तक गोंटर मार्ग को सुरन्त आरम्भ किये जाने के संबंध में ।

गहोदय.

जपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी दिहरी, के पत्र संव 374/24-1 दिनांक 21.11.2005 अधिशासी अधियन्ता निर्माण खण्ड,लोक निर्माण विभाग, बच्चा के पत्र संव 2805/1री दिनांक 17.11.2005 तथा श्री फूल सिंह बिन्ट भाव सहस्य विधान सभा जस्तरंबल के पत्र दिनांक 29.11.2005 के रान्दर्भ में गुड़ी यह कहने का निर्देश हुआ है कि शारावादेश एक 1439/111-2/06-49 (प्रा.आ)/2005 -टी.सी. विनाक 03 अगरत,2005 के सलग्नक के कम्यक साल- 3 पर श्लीकृत कार्य टीक्श नवेदन जांचा राज्य राज्य हिन्दर्श भोटर मार्ग का नव विभाग एवं कमांक राठ-9 पर उल्लिख कार्य स्थार्स पुल से धागमादा तक मोटर मांदर मार्ग का निर्माण वित्तीय एरतपुरितंका राज्य के प्रस्तर-375 (थ) में निहित प्राविधानों के अनुसार वार्कालिक प्रमान से विना प्रधारावीय एवं निविदा से कार्य किये जाने की अनुमति श्री राज्यपाल महोदय इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान करते है कि विभागीय औपचारिकलाए तत्काल पूर्ण कर ली जाएगी तथा उक्त प्रस्तर-375 के जपपरतर (थ) की समस्त प्रक्रियाओं का अनुपालन अवश्य सुनिश्चित किया जायेगा । वित्तीय नियम की फोटी प्रति संलम्न कर प्रविध्त की जा रही है।

म मीय.

(प्रचीप सिर्ह रावत्) अन् सन्वितः

राख्या 2677(1)/ 111(2)/05 तद्विनाक

प्रतितिषि निम्नांसन्धित को सूचनार्थ एवं आवश्यम कार्यक्रि केत् प्रीयत

गहालेखाकार (लेला प्रथम) उत्तरपाल,करपत्न ।

अध्यक्त गळवाल, मण्डल पोटी ।

- अ जिलाधिकारी / कोणाधिकारी, दिवसी ।
- वरिष्ठ कोणाधिकारो,वहरणपूर्व ।
- निरोशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, वेहराद्व ।
- ह- निजी सचित् गा0 मुख्य मंत्री जी को गा0 वुस्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ ।
- गुख्य अभिग्नता गढगाल होत्र लो नि.मि. पीडी ।
- अभीक्षण अभियनमा, या वा वृत्ता,लोक विभोग विभाग,दिहरी ।
- 9— अविश्वासी अभिगन्ता निर्माण राण्ड लोठनिर्वात तस्ता ।
- १० वित्त अनुमाम २ / विता नियोजन प्रकीच, उत्तरानल शासन ।
- 11 लोक निर्माण अनुमाय 1/3 गार्थ कुक ।

आजा से ट्राय्य कि एवड़ (प्रवीध सिंह शवत) अनु सक्किप्र